भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1377
उत्तर देने की तारीख 08.12.2025

सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना

1377. श्रीमती प्रतिमा मण्डल :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) जैसे संस्थानों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक राजनय एवं सॉफ्ट पावर प्रोजेक्शन को प्रोत्साहन देने, विशेष रूप से जन-से-जन का संपर्क बढ़ाने और विदेशों में क्षेत्रीय सांस्कृतिक विविधता प्रदर्शित करने में, आरंभ की गई/आरंभ की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है,

(ख) राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन एवं राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय के अंतर्गत अभिलेखागार, पांडुलिपियों एवं संग्रहालय संग्रहों के डिजिटलीकरण में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और यह डेटा विद्वानों एवं आम जनता को किस प्रकार उपलब्ध कराया जा रहा है; और

(ग) संग्रहालय अवसंरचना को आधुनिक बनाने एवं आगंतुक सहभागिता तथा शैक्षिक प्रसार बढ़ाने हेतु संवर्धित एवं वर्चुअल रियलिटी जैसी अनुभवजन्य प्रौद्योगिकियों को आरंभ करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय और इसके संगठनों की विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक राजनय और सॉफ्ट पावर प्रोजेक्शन को बढ़ावा दिया जाता है। विदेश मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), भारतीय मिशनों/केंद्रों और विदेशों में अपने 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों (आईसीसी) के माध्यम से योग, भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्य एवं संगीत, भारतीय भाषाओं, दृश्य कला प्रदर्शनियों, फिल्म स्क्रीनिंग, व्याख्यानों, संगोष्ठियों और भारतीय त्योहारों तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजनों के माध्यम से दुनिया भर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देती है। भारत की क्षेत्रीय विविधता को दर्शाने वाली सांस्कृतिक मंडलियाँ नियमित रूप से

विदेशों में तैनात की जाती हैं और राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के माध्यम से लोक कलाओं को बढ़ावा दिया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय की वैश्विक भागीदारी स्कीम के अंतर्गत, विदेशों में "भारत महोत्सव" आयोजित किए जाते हैं जिसमें विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। जन-से-जन का संपर्क बढ़ाने के लिए भारत-विदेशी मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान भी जारी किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा विदेशों में भारतीय कला और संस्कृति के प्रसार के लिए अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सीईपी) पर भी हस्ताक्षर किए जाते हैं। भारत की सांस्कृतिक पहुँच बढ़ाने के लिए संग्रहालय विदेशी दूतावासों और सांस्कृतिक संस्थानों के साथ भी सहयोग करते हैं।

(ख): राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) के पास अभिलेखागार, पांडुलिपियों या संग्रहालय के संग्रहों के डिजिटलीकरण का अधिदेश नहीं है; इसका अधिदेश 'मेरा गांव मेरी धरोहर' पोर्टल के माध्यम से सांस्कृतिक मानचित्रण और प्रलेखन तक ही सीमित है।

भारतीय राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय (एनवीएलआई) सीधे तौर पर डिजिटलीकरण का कार्य नहीं करता है, परंतु यह एक एकीकृत और प्रयोक्ता-हितैषी प्लेटफॉर्म, भारतीय संस्कृति पोर्टल के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक संसाधनों तक समेकित डिजिटल पहुँच प्रदान करता है जो विद्वानों, शोधार्थियों और आम लोगों के लाभ के लिए पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, संग्रहालय के संग्रहों, अभिलेखीय रिकॉर्डों और दृश्य-श्रव्य सामग्री को एक साथ उपलब्ध कराता है। यद्यपि, संस्कृति मंत्रालय की एक प्रमुख पहल 'ज्ञान भारतम मिशन', भारत की पांडुलिपि विरासत के बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण को कवर करता है जिससे उन्हें परिरक्षित रखा जा सके और अधिकतम लोगों तक उनकी पहुंच हो सके।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन संग्रहालयों ने **जतन** जैसी पहल के माध्यम से अपने संग्रह को डिजिटाइज़ करने में भी काफी प्रगति की है और डिजिटलीकृत संग्रहण ऑनलाइन रिपोजिटरी और वर्चुअल प्रदर्शनी के माध्यम से देखे जा सकते हैं।

(ग): संस्कृति मंत्रालय ने उन्नत और अनुभवजन्य प्रौद्योगिकी को अपनाकर संग्रहालय की अवसंरचना को आधुनिक बनाने और आगंतुकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सतत प्रयास किए हैं। संग्रहालय अनुदान स्कीम के अंतर्गत, मंत्रालय नए संग्रहालय बनाने, मौजूदा संग्रहालयों के विकास और उन्नयन, संग्रहालय संग्रहों के डिजिटलीकरण, वर्चुअल संग्रहालय बनाने और केन्द्र तथा राज्य सरकारों, सोसाइटियों, स्वायत्त निकायों, स्थानीय निकाय, अकादेमिक संस्थानों और सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत न्यासों द्वारा चलाए जाने वाले संग्रहालयों के संग्रहालय पेशेवरों की क्षमता-निर्माण और प्रशिक्षण के लिए वित्तीय मदद देता है।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) संग्रहालय प्रदर्शनी प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास में सबसे आगे है और संवर्धित रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी

(वीआर), कृत्रिम मेधा (एआई), कंप्यूटर विज़न और सेंसर-बेस्ड इंटरैक्टिव सिस्टम जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकीयों को समेकित करके आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए-नए तरीके अपना रहा है।

विक्टोरिया मेमोरियल हॉल ने "बिप्लोबी भारत" नामक एक मल्टीमीडिया गैलरी बनाई है, जो आधुनिक व्याख्यात्मक पद्धति का उपयोग करके भारतीय क्रांतिकारियों के जीवन, संघर्ष और आज़ादी की लड़ाई में उनके अमूल्य योगदान को दिखाती है।

राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली ने अजंता गुफाओं का एक मनमोहक और शिक्षात्मक डिजिटल अनुभव प्रदान करने हेतु आगंतुकों के लिए अजंता पर वर्चुअल अनुभवात्मक संग्रहालय (वीईएमए) शुरू किया है। राष्ट्रीय संग्रहालय ने ज़्यादा लोगों तक पहुँच और बेहतर आउटरीच के लिए अपने कई संग्रहों को डिजिटलीकृत भी किया है।

*****